

समाप्त =

अविनयी - मल्प

(1) अल्पीभाव =

विग्रह

(1) जिस समाप्त पहला मल्प = विहार

[2] जिस पहला पं० प्रधान

उ जिस शब्द ^{पूर्व} की पुनरावृत्ति

वि + "हार" भाषा
प्र - पुहार

4- जिस समाप्त के उपरान्त का उपासक हो

अ अउ

उ उ उउ उउउ

अथाशक्ति
अथागति
अथासंभव
आजीवन
आमरण
अपरिवार

शक्ति के अनुसार
गति के अनुसार
संभवता के अनुसार
जीवन पर्यन्त तक
मृत्यु पर्यन्त तक
परिवार के साथ

माशमारी
भूटमभूट
दिनादिन
रातौरात
धीरे-धीरे
हाथाहाथ

भार के बाद भार
भूट के बाद भूट
दिन के बाद दिन
रात ही रात में
धीरे के बाद धीरे
हाथ ही हाथ में

तत्पुरुष समास - उ-वर पद प्रधान

- पूर्व पद संबन्धा, विशेषण

चिडीमार
देशानिकाल

③ कारक चिह्ननी =
विधालय